

२० नमः ॥ मित्राय नमः ॥ ॥ मित्र नदीया र्व ॥ केलाभय चेतसः दवया
नंदयः ॥ गगलसि सानया युनः श्रीमहादेव विष्णु कः या वं नी स नः मूल न का ह
ली वः महादेव सकं ०० नाप या वः ॥ स्वामि महादेवः च न या न या उ स द
कूल पा न स्य न यु या ह न या वत क न य या निः पू ना न २ यु वः न द न य स
नि र्म य र्व क न धू नाः न न ध र्म या र्व क न धू नाः मि र्ध डा ना या र्व क न धू नाः
ध द क या र्व क न धू नाः थ (ध र्व क न धू नाः ॥ स्वामि नृणां द य का वि

कायल, धर्म मूलन, रुकि मूर्क श्रुति गुलिङ्गन, रुखामि धया र्व आरु
 दय माल धर्क ॐ नाययार्त ॥ ॥ धनैलि ग्रीमहा दवन, आरुद र्ग ॥ रुया
 वृगि, रुडा श्रुति निह निमि लिन, जनक न, रुन एक चिरुया हाव रुक, धम
 दका स उरुम रुडा गु, धर्म या र्व क न, स नागा क, धन ना (आक स, माद्य कृष्
 या व रु द, जी कृष्, धर्म द न, ध धर्म दं द क र्ग या, सम रुया य भा क, शिव
 नागी धया गु, धर्म, सम रु उरुया हाया सि न, शिव नागी धर्म न, उरुम

दि, शिव नागी वृत्त या रुवान, शिव २ धया व रु क या र्ग, ध व र्ग ने, ध ना
 ध स व न व या व, ध न मूनी साय या रु वान, ध कृ ध र्क, ध य नि शिव शिव
 ध र्क ना, ध या पा त्मा स व न न, ध न मूनी य नि हा स या र्ग, हा स या हा व र्ग
 रु न ना न ध र्क कृ व न, लिया व ना का या, कृ वि वि हा व, ध डा या पा न,
 श्रु डा न या रु, रु न पि हा व र्ग, ध न लि, ध या मा म न, ध र्म दं द वा द सा
 या व वान, ध ना सं व न द रु न (ध रु, ध व ल स, ध न मूनी य नि स न, स
 गति

व न सर्वं का उधर्जः पापात्मा य स व न, महापर्वभि व न, थथि ह दिन क
 रू, श्रु न व न न ग ना, य न लो क स, थया च्छु ग नि रू यी व ध कं न्वा क, थ
 ध न मू नी य नि न्वा क, मा म न गा या उ, मा म न का य न ग न उ न, शयू ग
 थ नि श्रु न वाने म न, स क न ध न मू नि य नि ला क न्वा गी, थथि ह दिन क रू
 नि व र्ध कं क र या उ चाने न ध कं मा म न गं का, शयू ग व न म न वि य नि
 रू यि उ, थ कं का उ का य द्वा न ॥ ॥ श मा ना, उ श्रु न म वाने सा, च्छु य

नि स रू ध म रू य व, न रू स रू ग (थ रू रू य का उ, भा वा ना रू ध न मा य रू व
 श्रु ह ल व न नि श्व य, थ नी लि का य या व च न कं का व, ग न म डि या व, मा
 म न का य या ना, श्रु सि षा वि न, शयू ग, क न क या सै ने, उ न न रू
 या य मा न, वा हा स क व ल न न का या य मा ल, न ग ले सै वं ड मा न न य
 य मा ल, स लि ल स धा धि, स रू यो न न का या य मा न, पृ थि वि न न का
 या य मा न, श रू नी न नि र्म ल रू य मा न, कृ ण न न लि हा व य रू य मा ल,

ऊं काय धर्म आसिर्षा विलं, थ व ल स, काय न, मा म न म स्का न या ढा ॐ
 श्रु ल वानं, महारुयं क न उ रु म व न स वा, नाना य स प क्रि, सिं च वा
 च द व, थ थिं गु व न स व नं, थ वा धान थ व य न क म झानं, सिं च न
 थ व नान क य क मा च कं, कि सि स्त थ व नान क य क मा च कं, गान
 म स नं थ व नान क य क मा च कं, च ना, हा, वू सा, न थ, ह नि नि, च
 थ च थ व नान क य क मा च कं, थ वा धान, थ थ थ ॐ य न क म

ज्ञा या व, च गु दि ग सं सा या व, नाना ऊ नु वा द व न स, थ नि म धान नं
 ना य ध का व वान, श्रु नं ग ल स हि ना व र, थ क दू या दि न स च व स
 न म द या व ॐ वा नं, स दा द नृ नं क स सा वू सा न य द व, ना, लो क ऊ
 गु न पा ना य म द, श्रु वि कु म थ नि लो न वि ना, द्वि च्छि द वा ना, न य म
 द, स दा द श्रु नं क र ल द व, य न्या क, क या य नि र्म न य म द, क दू म
 य नि कू धा न, द नि उ रू या व, थ न न उ या स न श्रु न व या, थ थ द्वि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

छिदच्छुगादनयमद्, यथेति जालिनरुसं न, ज्ञा, ज्ञायमरुयाव, लि
वादाव, थनीलि, थवाधन, कूलिहवय, त्रैलोक्यलरुयावलिवानाध
कं, सिंघ, व्याघ्र, किसिया रुयन, ज्ञानीसभाचकं रुवधकं, थयसा
न, यूपूलिचु गुलिनून, थयूपुनिसनखगादाव, बालमाथान्न
व्यानमायादधुस, चाशियगा थयचिनकलं, थगुथयस, स्वयं
रुलिंगचु कंदस्यवाड, थवलस, थवाधन, थउगा थयचिनक

निमिलिन, बालपुत्रहचचरुदावकारं, थवलस, यगुचचरुदाकायागु
लि, महादेवयाभिजसुगं, थन, वाधननून, रुल, कुवसुनयमरुयाड
महात्रैदालनवानं, चाकचिकलं सायाडा, कनमउ, थथव्यानमायादधु
सवा, वाधवादाव, चूपहजालं, थनलि, थयूपुनिस, मृगचुर्नगुवि
नि, लखगा नयतावव, थवलस वाधयाचिकयाव, भिवरधकं, दश
दिगंचाकचिकं सायाव, याथसदवगासचन, ददखाक, रुदुधवः

॥ विष्णु गायत्री ॥

माच नाकुर्क रवर्न, वाधन, व नादायाडा, व नादायतर्न, धवलस, व ना
नखर्न, का ना कर्क मडाडा, धं, व नाद याव वाह, वाधन खडाडा, गंधी गंधी कम
लेतर्न ॥ ॥ धनामृग धन ॥ ॥ म हा वाधन मरुया डि व माचर्क वा, खदि
जायमर्ग धर्न ॥ ॥ धना वाधन धर्न ॥ ॥ मृगनी, डि नृति य गा ना, डि वि
वा ना, चूं नयमद्, धयानि मिर्लि न च्छेयत दाधर्क धर्न, डि चूं स, माचा
ना, मा मेया, नृति य गा ना, ध (ध वाधन धर्न ॥ ॥ धन श्री महा देव

न श्री ह्लादर्ग, हया चर्त ती कुप ह न वा ना, चाल प न न डि य जाया करु स
न जाग ना उ पा स न वा हा या रु ल न, धं वा स च्छि वा पा प रु का व न वा ध
या ॥ ॥ धर्न लि वा ध विस्मय वा या डा, मृगनी न, म न्द्रु र स स्फार्ग, ग्व
लर्न म सिया धर्क, धना वाधन धर्न, मृगनी, च्छे गु ग्वरु न व या, ध
धय च्छे न ना ल व या ना धर्क, डि नृति को रु क रु ना, ध (ध वाधन धर्न
न द्वा व, माच ना न धर्न ॥ ॥ ॥ वा धा (ध ध च्छे, डि न क न द्वा न

किं कथं नमः देवया वंश, नैराश्रुतना, ॐ ह्ययादकास श्रुय सनाया ॥
 वृद्धि, राग्यनूय नूतनमद, धनलिङ्गामहावन श्राद्धाविनी, कुर्यान्नेय नूतनका
 नहातुके प्रमदना, देवता कामकि जायाकधर्क, धनमहाधवन, जिय
 निरुं अयवि लं, उासीनिरुं जियनिगु कुरुया उा, धननिमहाधवन
 द्रुपाश्चिमिभन, सदाया दानुलूमका उा, श्रुय सनायातं, पुनवा लम
 हाधवस्यन, दयाचाया, श्राद्धादती, गवधलसं, कुरुन, सवनवर्लि गव

नपात्राय, धनवल, सैवादशयाव, धर्मनूमकाव, कुरुन कथं नमयाखं
 नूमानिव, महाधवदसनयादान, कुरुपनिमूकुरु ॐ वधर्क श्राद्धादती, रा
 याधमनैकवर्षवाना, वनश्शया, कुरुमहाधमखाडा, धनपूर्वकम
 यायाप्रमसिया, धनकथं नमयाखं जीसय, रायाध, विगवनाजि
 सनिवसद उा, वानह धमत्रायव, जिनामरिह, दूखदयाडागहिल
 चि, कुरुमर्ग, जिना, नूतनह किमकुरुव, धनभवधर्मवनावेधे, दूधकाव

॥ निवेदनादि ॥

ल्लासे, पापुआ कथन वय, विस्खनडी स्यायमने व, सलिनदव, कनस
ने वल, मावा वयकाव, गाथाव, अर्क वा न क, सखिइनयनिसुनव द्वाष्ट
कद्रसने वल, किन्हीन स्याके ने वय, जितयारुयके कोया, थ(थमाचवा
याववनके दाव, व्याधकोसुकचायाव धन, हवनचुनकि ओनकायाय
निमिलिनचुनथ(थधन, कनस चुमडय, चुनमेवचवाकनि, थगु
धस, चुनयारुय के कोय, चुनधलसा, जिक्रस, कनात, मावा, त्यपनि.

थनेनकद्रसने डारने डायमाने चुनमाचावयका ता थाडा, डायमाली, थनति
वानयाकाडा ॥ पृथिवि: वायु^{चंद्र} सूर्य, आकाश: सत्यथका, मृत्तानी सत्यपनिपा
नयायमाने, थ(थवा धन धसाडा, चनाकाकाडा, धमृत्तानीनडाय धर्क, वातका
ल। था धयाकडा जे धने, सा धा धा: चुनककद्रिनकने: डाकनडया: वयच
थसमचा कायायाय: वदम सदायायाय: वदम धात्रया योयाय: उल्लूनिदायाया
य: असत्ययायाय: धनेनाना वधन, मृत्तानिने: सत्यथयाने, थनधवाधने ल

२ सिद्ध नाति ॥

दादाशः च नाना नाना चूर्णः श्व च नाना नाना चूर्णायुर्ज्यं नः ज्ञेयं नीर्जः लिङाय
 ज्ञायकायुर्ज्यं नः व्याधायः पञ्च कृष्णायुर्ज्यं नाना नाना लः थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव
 धर्कं चीर्जं ॥ ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥
 च नाना नाना नाना चूर्णः श्व च नाना नाना चूर्णायुर्ज्यं नः ज्ञेयं नीर्जः लिङाय
 ज्ञायकायुर्ज्यं नः व्याधायः पञ्च कृष्णायुर्ज्यं नाना नाना लः थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव
 धर्कं चीर्जं ॥ ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥
 च नाना नाना नाना चूर्णः श्व च नाना नाना चूर्णायुर्ज्यं नः ज्ञेयं नीर्जः लिङाय
 ज्ञायकायुर्ज्यं नः व्याधायः पञ्च कृष्णायुर्ज्यं नाना नाना लः थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव
 धर्कं चीर्जं ॥ ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥ थर्जं व्याधर्जं सिद्धिनिव ॥

चा नाः मास नय निमि नः दव नमालः थ वा धनं च नारव का डाः व ना दया डा
 द्वाय तं नः थ च नानं चित नयलः थ वा धनं चित नमालः नारव नः न नाया हा
 क नपि उ नया डा चित नया डाः वा धनं नः ना वा धनः धनं धनः वा धनया (गु) चित
 नः स मया डा डा मा च का चा द दः चित नं च ना रवा व न निया य द दः चित न चित न
 रव नाः थ नानं चित ना डा न नाः सत्य न द द डा डाः थ ना वा धनं चित नया डाः थ न
 च लाया व च न द द डा डाः वा धनं चित नयः च ना द्वा च ना द्वा डाः डा (थ) उ नय डा

॥ सिद्धाय ॥

कं ना डा डा डा कं मरु मरु ना ना ना मरु ना ना ना मरु ना ना ना मरु ना ना ना
 थ (थ) या धर्न चि न्न नय लीः शम नानिः पारु डाः ध ना न निहा नः थ न न जि
 रुड म चा ना सः प ला क रु नः च चि चि चि डा नः जि न द र व स याः थ न न चि ला
 य न ला ना जि मा चा ना या स न य नः चि न द र स म न य ध र्क हा नः थ न ला ध या व च १०
 नः रु डा डाः मृ ना नि न ध लीः जि ला य रु क द र् डाः जि मा हा द रि ना हि नः अ तिः
 इ व नः थ थि र्क या ना चि ला य म जि डाः थ न वा च लाः डा र् डाः न डा धि क द डा

3

देदे अडाः थ नासडाः थ (थ डाः कि त्यायमः किमिहा ज्ञान इव सा क्रि स गं ख
 डाः क न स थ व ल डा य थ कं थ य थ कं या दू य कं चू म्याः ला व न र्ध न थ कं
 अ म्या डा थ थ म न नि म्या व च न द दा व व्या अ नू दा दा डा अ ल ला म न ती
 या म् डा द नि क न स त डा रं डा म् म् ला त स थ व न र्ध न र्ध न चू द नि थ कं अ र्ध ॥
 थ ना म न जी न अ ल ॥ हा ना स व न र्ध न द द न्ध ऊ जी इ म्या डा स ग्र म स म
 ला दा पा य ना ता क द दा वा य य थी स ना स म् दा वा य क् चि त थ म् का त

सि
व
न
जि

पाय-रुं सरव द्वा का मा पाय-द सु वृ द्वि त म व मा ता का दा पाय-
का मा पाय-म व द् ४ र व न का पा य-का वा वृ र वा मा दा मा पाय-कं न्या मि या पाय-स म
लु ध र्म ता त ना पाय-रु सर वं थ म स या र व स-चु रि व रु या पाय-मा म-व व थ डा हि
त-म न क स-थ म रु का न या पाय-गि लि-सा-त्रा स द्या त क या पाय-इ ल स मा ११
च का या पाय-वि य नि ठे त स मा च का पाय-थ न पा य डि ता म डा त सा ध र्क-थ नि या
रु क दा-वा अ ल् दा का डा-दु या त या व त म ता त ना का र-थ च त्रा य र व त्रि स तः

र व ना दा डा-व त ल् दा नि हा डा न-थ न लि-या अ न-वा त मा द त्रि स चा दा डा-स प
ह डा न-थ न लि चि क या डा-पि ला दा डा-चु नू मा दा डा-जि व गि व ध र्क चा दा डा-इ
न म डा न-थ वा अ न-य ह न य नि ~~का~~ सा हा द डा य डा या त-च त्रा डा व र ता त या-थ (थ चा
न र य क न-डा क-दा ता हा क-मा हा रा नि ठा च त्रा डा न-थ वा अ न-च त्रा डा नु र व ठ
डि रा न्ध न डा न ध र्क-वा अ न दू प त (थ र्क त्रि या ता ना डा-थ न मा च त्रा मा त डा-डा वा च त्रा
न-व त्रा द् या च र व दा डा दू या ना क र व दा व चि न्द न या व-नि थु य डि मा डा ना-थ या

न कसना नाः क्रिया जडा इडा तिक्रिक ना न नैर्दः थया धनस्या नाः थपजिक ना तम
 दतकाडाः सिद्धा नरिं दः म्वा दान न चूयाय त्रि थि द्रि द्रि चू नमद्ः वजस त्रिम द तकाडा
 धर्म स च न न प मद्ः सिमा का स चै थ इ नः त्रि द व थ सः चूम रि ता रा इ नः त्रिम
 दतकाडाः वजा न न डा इ थः धम दय कः त्रि प न् ययाः त्रि पाय धम चूम दः सु या इ ता १२
 चूम त्रिम दतकाडाः वजस त्रि डा दान न म कः न व न ड प्रा न डा इ ति थ नि य नि नै र्द म द त
 काडा क्रि म्वा दाना दाना नि र्द न ध र्दः द्वा स न या द डाः कायः चूरयः स पू न द त ताः च न

खाति नः अदि क द त ता नः त्रि त्रिम द त का डाः थ न त्रि चू न् धाय ध र्दः थ थ वा चः
 ना न चित न या डा या ध हा र्दः ला या ध चि क्रे क्रि न चू ना द नः व न ग न क द नः न
 स थ स ध र्दः थ ना नः सा च ना नै र्द डा य ना ना डा म ना चि न स्या य ध न नाः स
 थ न का द नै ध र्दः ध या डाः थ च ना या व च न द का डाः या ध को रु क चा या डाः चित
 न प नैः थ सा मा न्म म र व ताः द व नाः च ना या ल य का या डा ना ना ध र्दः थ थ चि
 म ल या डाः थ ना या ध न ध नः थ ना मा च ना नै र्द डा डा र वः नै र्द डा या ना न त्रि हा

॥ सितनामि ॥

नाः किं कर्त्तव्यं यास्तु तां नोः थय निस्सुहादा व ताथाः चूकिता त्रज इतः थ गेन
चुता न त मद्रिः थ त या अया व च ने कं का डा वा च तान धर्तः सा या अक्रिय नि स
किं कर्त्तव्यं (थ यास्तु इत नोः चू स ता मद्रियाः किं ता न ता व चू याः थ ना या अ न धान
ता य नि शया तानः थ डा त्रान म स त्रि हा ताः किं यास्तु ता न धर्तः या अ न धया रव १३
कं का डाः थ ना मृ ना न धानः इति स न यास्तु ता व क (थ किं न यास्तु ता नोः क इ स त न
किं किं कं ता यः नि धु य किः कामार्थः थ त न ली स ता न या क डाः क इ स त न ता यः यास्तु

य क चू याः थ त क च ता या व च न कं का डाः या अ न धानः चू न ह क या का डाः धू क व धि
न क कार व दानः मृ लू इ य म दू नि नः थ डा कि डा न ता या य नि मि नं डा तः चू न म व क
नि डाः म व थ ना म डा ० ० कः या अ या र व कं कः थ न क च ता न धानः स ल उ प क तः
चू म दूः यास्तु य क चू याः थ त च ता या व च न कं का डाः या अ न धानः सा मृ ना क्रियु ति
न इ डा नि नः यास्तु डा फू निः स ल या क दू नि ध का धानः थ ना च ता धानः स न्ध त्र व
नानः स क ना डाः थ म स व न यं चा कः ना डा म च का मार्य मि तु व च ना या र्यः पृ ला मी

२॥ निरुपगमि ॥

मन्त्रकायायः उल्दाहयाकायायः जाकरायायायः वाक्कनमनेनयायायः यनप्रिकाम
मयाकायायः सागुन्ननिदायाकायायः चिकः द्यनउदुः भुते समस्तपायीद्रिगाः कद्र
नत्राक्रमडात्रसाः त्रदि कचुक्षयः क्रिमन्त्राक्रमसः यचासु तलागयाययुननः श्रवः
यासत्रनः पुनक्रमसद्रि सु गगिद्रु०॥ शिखन्धनः क्रिसर्गसादुनैः थन ठाचत्राः १५
यावचनदे के वः बाधनदाकाडाः दुसंतयाठनात्रिकायाचनागात्रगाचुगः थच
नाप्ररत्रिसुत्रखताकाठनत्राकात्रिहानः साचनात्रिहानैः थयाधयात्रमायादः

त्रिसचाकाः नासाचाकयाडाः द्यात्रयातचचकूकात्रुत्रिमाहादवयूत्रायागः चिक्रयाडा
भिवभिवधकंक्रयाः थडाकुंतिहाडा जयाकाचोर्नैः थनलिमुद्रनः थयाधथ
मसात्रपनैः यामरवताः काकलानमहापुन्यनार्तः भिवयूत्रायाकायुनेनः बांध
यापाययुगः थजाथयाधनैदसदिनासः चाक्रचिक्रसयाडाः श्रधामदयाडाथ
वचैडा जयाकाचोर्नैः थननिधमाचत्राः चाव्यकासुचानत्रिकाडाखकाडाः वः
नादयाकायननैरवकाः साचत्रानधनैः साबाधद्रिवनानक्यायमनेः क्रिनत्रा

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

यायमान शमाखमाचि इनसाकिरवळळः सासुसुध्यागडाः दंकाडाचोळः कामः
याकाचोळः दुदुगानकाचोः गानीगानयः साचत्राइनसाचाचनिकः थनैताकाजै
त्रहत्रयायमदुः सासुसुळकाः (थनैधे तात्रगावः चिजकिर्यायइनसाः धमचातः
कुसुपासायनितडाडाकाताथाकिडायः पाहाचोयदुजीधर्कः साचत्रायावचळका
याभानधनः थथसदयकाडाः सत्ययाकाः चायकाः चाचायकाकाकायः थनैसुगै
दडाः धयनिमाचकसगैडाधर्कः याभानगोनताचोर्कः थयाभानधमचोकाय

धनिनधनः सत्यडाकचत्रायनिसर्जः समस्तवचनळकाडाचिननयाः थिथिदकाः
डाचनमाचकनः साकनाथिथामचोनीडाधर्कः थनैनिवाधयाः मामः वैवेजअल
कुसुत्रनमदयाडाः थयाकाडाचोळः मचागात्रासुर्गः मामः वदमाचागासाकात्र
काकाजयाचोर्कः कुसुत्रनकुसुदुः वदुनः तामहडाधर्कः साचागात्रासुर्गः थनाका
नैवत्राः यनिसुवचनळकाडाः समस्तवचनमाकाडाः इलमडार्कः त्रिथोदुका
चायाडाः याभानचिक्तनयाः थयजीसुवसत्ययाकाडाः डमर्कः त्रवसुनसानशाय

क्रि न स्या य म म् स हा म् त्र यः थ य निः स ह्य द डा ध र्कं थ (थः थ या ध न चि न न या श
 थ न त्रि वा ध न त्रि व न ता न त्ता चि न्ताः थ न मा च त्राः चा ह र्कः थ श अ स म स न
 यं चा व य का डाः डा र्कः चा म द र्क का म न पि उ न यं चा ह र्कः वा च म न्ताः क्री डा य १५
 तः थ य नि थ (थ या ध या र वं हा या र वं थ न वा च न न हा र्कः शी त्रि य न न आ या
 का चा ह र्कः वि (ष न्ति य वा यु कि सिः वा ध या र य न न्ताः म चा न न न न यं
 मा नः क्रि स न मा च र्क म क्रि डाः थ न न क्रि डा नः स न मा च र्क डा र्कः मा हा ह हा न

र्क डाः क्रि स व थः थ न न चू य नि स नः स न्ता न न आ या का चा न मा नः स ह्य न ह न
 वा स ह र्क डाः र्क हा न क र्क स कि नि द र्कः थ न न चू ड पा य नः स न न द य र्क माः
 नः त्रि य र्क हाः यु गी र्क हा मा नः क्रि वा ध या र्क डा नः स ह्य या नि मि ति नः म डा म म
 कः थ (थ वा च न या व च न र्क डा डाः मा च न न ध र्कः शी म न क्रि य नि चू डा न पा डा
 यः क्रि ना थ क्रि त्र थ व न ह हा हा थ क्रि इ नः शी म मिः क्रि म द न डा डा क्रि य निः
 मा वा याः चू पा र्क नः त्रि न क व न द न हाः य त्र य म द मि सा याः हा क म दः कृ त्रि या

पुत्रविविधानं च मद्ः त्रजे गणानय लेखान आदि नः चूयाम् सामिडा रव ननया वा
 निडाः गजमजदयकाः श्री नदय म्दः चाकमदयका नथ द्वाय मद्ः थ (थर्नः
 सगच्छि युगद सायु न्वः मद तं काडाः प्रियाधि धर्म मद्ः थर्न माच नान कका
 वाच नान चित नय नः क्रिया धाया के डाने नाः आन सा थर्न वं सकु र्दु ठ सकः १०
 न मो नाः मवान सा सत्य धर्म मा नाः यथेन अने मा नः सत्य मद न का डाः मज
 रव इ न साः नन क डानिः थर्न सत्य पति पा नय या धर्मः हृदय स रान या डा

वाच ना कु र्दु डा स हि न थ डा चै न पि हा वा नः द्रवा वा धा चा द था स आ नः पु
 रश्नि स मा न द्रु या डाः थ व थ व य मि मा कु भ न आ का डाः पुरश्नि सः अन्नि स
 लान या नः थ व थ व ल्हा मि न क वि नः पि उ थ नः थ थ च ना प नि स नः कर्म
 या का डाः नि व नि ना य ज्ञा या न ॥ मज न ॥ श्री मा हा द व लाल पा दः घा स
 मज ल ॥ कामः का धः ना रः मा हा मा याः पा पः को न ता डाः आ न
 का यः म्चाः धा चाः सक नः अह ल्या या चै स वा नी ॥ थ न लिः अह

१६
७
नाति॥

त्यासां कुं: (थळाडा॥) सत्यपुतिपालयागचलोनि: ब्रह्मल्लाहार्त॥ सुग
निवच॥ शोवाध: जिनिस्थाहृज॥ कनागह्याडा॥ त्रिपतसठालष
पनिस्थाहृज॥ शोवाध॥ स्यायविलंरुयायमत॥ जिसगडाजेंतनचू
कुनिनजायाडा॥ कचनानधन: समगनाऊमाहायूत्रष: चिजिनस्था १४
यमरुया४ कंनिहाडाजेंऊडाजें॥ ठानवाल: थकमयाडाजिचूगती
इ००डा॥ जिपायरुकमान॥ जिनीजिडामकात्र: पापयायमरुतजित

किउत्रुन॥ वाधकुडादडा॥ धन: वनाताधन॥ सतधम: समन
तयधन४ कं॥ ब्रह्मल्लानधन॥ ठचनदोदेडाचनानधाल: शान
हत्या: जिपनिह॥ कमन्यासयादाडा: चुकडाया: सतयाजिलिन
मधस्याहृज४ कं॥ चनाधन॥ कुनपायमयाक: कोवनागिस: कुतास
तयादताथा॥ थनियानिलिस्थाहृज४ कं॥ चलाधन॥ वाधनजि
जास्यायमरुत॥ धन: वना: ताधनधन: धन: चनासकसज: ७३

सिद्धि नागि

आठिन॥ चिसरा वासइ नं ४ कै॥ सिठ नागि रं नडयासं चाळाया रुन ना
न ध के॥ झागना नागिः पंयहनसः माहा दे वय झाया नं॥ समयाय नाग
ली॥ धन विमार व हया अ सनाय नं॥ एन झागा काः ४ यः दियः के
गु ना ना वाश था न काः अप स नागि नं॥ ०० द य जि सः म हा ना अः प्या १२
खडू काः ख नाय नंः धन नः सिठ नागियाः र व के द फायाः झा क म
याः ४ नः अ नः ल चि मिः स ना नः व व रु ०० अः म ना न इ यि अः सिठ

सिद्धि नागि

नागिया म हं माः पु न ना कः च नाया स ने द या अः ख ना वा स ना
नं॥ ०० ॥ नि गी सिठ नागि क था ना गु स माय व ॥ सिठ र ३२ हा॥ इ नि
आदि स नि यि नः च ठ ना दि न नि र व ग म याः अ नि स व ०० स ४ व
ग म दा र व न दे य न ॥ सिठ नागि य म स नः नि यि नः अ ना ४ नं॥ ४३

2.204	I
SHIMAZU	

ASHA ARCHIVES